

हरित कौशल विकास कार्यक्रम

युवाओं ने सीखा कीट नियंत्रण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जबलपुर. उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में मंगलवार को हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वन कीट विज्ञान और कीट नियंत्रण का प्रशिक्षण शुरू किया गया। इस मौके पर वैज्ञानिकों ने अपनी रिसर्च की जानकारी देते हुए युवा रिसर्चर की जिज्ञासाएं दूर कीं। संस्थान के निदेशक डॉ. जी राजेश्वर राव, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय के निदेशक विस्तार डॉ. ओम गुप्ता ने पर्यावरण संरक्षण में जैव-उर्वरक और जैव-कीटनाशकों के महत्व के बारे में भी बताया। प्रशिक्षण

प्रभारी डॉ. गीता जोशी ने ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के उद्देश्य से अवगत कराया एवं बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित एवं पर्यावरण संरक्षण में जन भागीदारी की बात पर जोर दिया।

डॉ. पीबी मेश्राम, समूह समन्वयक अनुसंधान और प्रमुख वन सुरक्षा प्रभाग, प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दिए जाने वाले 100 व्याख्यान एवं बेलकुंड और कंचनगर टीक नर्सरी, मशरूम और लाख की खेती की इकाइयों की यात्रा और फील्ड विजिट के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर डॉ. अविरेल असैया, डॉ. पवन राणा, डॉ. फातिमा शीरीन, डॉ. अविनाश जैन, डॉ. ननिता बेरी मौजूद थे।

राज एक्सप्रेस

महानगर

बुधवार, 30 जनवरी, 2019

www.rajexpress.co

2

जबलपुर

वनकीट विज्ञान और कीट नियंत्रण पर प्रशिक्षण का शुभारंभ

जबलपुर (आरएनएन)। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में वनकीट विज्ञान और कीट नियंत्रण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। शुभारंभ कार्यक्रम में संस्थान निदेशक डॉ. जी राजेश्वर राव, एआरएस ने प्रशिक्षुओं को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रदान किए गए एक्सपोजर का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। समारोह में अतिथि के रूप में डॉ. ओमगुप्ता, निदेशक, विस्तार जवाहर लाल नेहरू कृषि ने किसानों के लिए आय वृद्धि में वानिकीकी भूमिका पर जोर दिया और ग्रामीण गरीबों के लिए हरित कौशल को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. गीता जोशी ने ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के उद्देश्य से अवगत कराया एवं बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित एवं पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी की बात पर जोर दिया। डॉ. पीबी मेश्राम, समूह समन्वयक अनुसंधान और प्रमुख वन सुरक्षा प्रभाग आवश्यक जानकारी प्रदान की। सत्र का संचालन डॉ. अविरेल असैया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पवन राणा द्वारा किया गया। इस अवसर पर सी. बेहरा, डॉ. फातिमा शीरीन, डॉ. अविनाश जैन, डॉ. ननिता बेरी सहित अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

Training on 'Forest Entomology and Pest Control' begins at TFRI

■ Staff Reporter

TO DISSEMINATE green skills and opportunities of employment involving insects in the forest dynamics, training on "Forest Entomology and Pest Control" was inaugurated at TFRI under Green Skill Development Programme (GSDP). Dr. G. Rajeshwar Rao (ARS), Director TFRI, welcomed the guests and evoked the trainees to evolve as entrepreneurs to generate income and enhance their living utilizing exposure provided under this well-designed training program. The guest of honour, Dr. Om Gupta, Director (Extension), Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya, Jabalpur, addressed the gathering and emphasized on the role of forestry in augmentation of income of farmers and also about training programs initiated by the government to promote and extend green practices for rural poor. She also emphasized about the importance of bio-fertilizers and bio-pesticides in environ-



Eminent guests releasing course manual during training programme at TFRI.

ment protection. Dr. Geeta Joshi, GSDP training in-charge, emphasized on motive of Green Skill Development Program to train unemployed youth for self-

employment and involvement of public support in environment protection. She mentioned about identification of master trainees among the participants under

these training programs for further extension of the skills and involvement of various stakeholders like State Forest Department, NGOs and other

allied agricultural and forestry institutes.

Dr. P. B. Meshram, Group Coordinator Research and Head Forest Protection division, detailed about the scope of the training program and encompassing 100 lectures and five field visits to Belkund and Kanchanagar teak nurseries, mushroom and lac cultivation units at Maneri and Mandla.

The dignitaries released the course manual during the inaugural event. Participants from different agricultural, forestry, engineering and technical fields are participating in this 30-day training programme. The inaugural function was compared by Dr. Aviral Asaiya and the session concluded by extension of vote of thanks by Dr. Pawan Rana. Other senior scientists and officers like C. Behra (IFS), Dr. Fatima Shirin, Dr. Avinash Jain, Dr. Nanita Berry, along with other scientists, officers and employees of the institute were also present at the ceremony.

02 नईदुनिया
जबलपुर, गुरुवार 31 जनवरी 2019

महानगर-आसपास

www.naidunia.com

कीटनाशकों पर नियंत्रण करने के बताए उपाय

जबलपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

मौसम में परिवर्तन होते ही फसलों पर कीट हमला करते हैं। ऐसे कीटनाशकों पर नियंत्रण करने को लेकर उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित हरित कौशल विकास

कार्यक्रम के अंतर्गत टीएफआरआई में प्रशिक्षण कार्यशाला का डॉ. ओम गुप्ता निदेशक जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय ने उद्घाटन किया। कार्यक्रम में संस्थान निदेशक डॉ. जी राजेश्वर राव ने अतिथियों का स्वागत किया कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. अविरेल असेया और आभार प्रदर्शन डॉ. पवन राणा ने किया।